

संस्कृतसाहित्यम्/संस्कृतसाहित्य/
Sanskrit Sahitya (348)
शिक्षकाङ्कितमूल्याङ्कनपत्रम्/
शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र/ Tutor Marked Assignment

पूर्णाङ्कः - २० / पूर्णांक - 20/

Max. Marks - 20

- निर्देशः - i) सर्वे प्रश्ना अनिवार्याः। प्रश्नानुसारं समक्षं सर्वे अङ्का निर्देशिताः
ii) उत्तरपुस्तिकायाः सम्मुखे स्वनाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या शिक्षणकेन्द्रस्य च नाम इति सर्वं लेखनीयम्।
- निर्देश - i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों के अनुसार अङ्क सामने दिए गए हैं।
ii) उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमाङ्कसंख्या, अध्ययनकेन्द्र का नाम लिखिए।
- Note - i) All questions are compulsory. The marks allotted for each question are given beside the questions.
ii) Write your name, enrolment numbers and AI name on the first page of the answer sheet.

1. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। (२×१=२)
(क) रामायणस्य मुख्यरसः संक्षेपेण वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - १)
(ख) “व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः” इति श्लोकं पूरयत तथा च दिलीपस्य शारीरिक गुणान् संक्षेपेण वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - ५)

किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।

- (क) रामायण में प्रयुक्त मुख्यरस का संक्षेप में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-१)
(ख) “व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः” इस श्लोक को पूरा करें तथा दिलीप के शारीरिक गुणों का वर्णन करें। (देखें पाठ-५)

Answer any one of the following questions in about 40-60 words.

- (a) Briefly describe the main essence used in Ramayana. (See Lesson-1)
(b) “व्यूढोरस्को वृषस्कन्धः” Complete and Describe the physical qualities of Dilip. (See Lesson-4)

2. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। (२×१=२)
- (क) 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ' - इत्यस्य श्लोकस्य भावार्थं स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - ४)
- (ख) द्वैपायन व्यासस्य कृतित्व विषये संक्षेपेण लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः - १)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।
- (क) 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ' इस श्लोक का भावार्थ अपनी भाषा में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-४)
- (ख) द्वैपायन व्यास के कृतित्व को संक्षिप्त में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-१)
- Answer any one of the following questions in about 40-60 words.**
- (a) Explain in your own language the meaning of the verse 'वागर्थाविव सम्पृक्तौ'. (See Lesson- 4)
- (b) Describe the work of Dwaipayana Vyas in brief. (See Lesson-1)
3. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं ४०-६० शब्देषु लिखत। (२×१=२)
- (क) सुदक्षिणादिलीपौ कथं वसिष्ठाश्रमं गतवन्तौ प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः - ७)
- (ख) 'यं ब्रह्माणमियं देवी' - इत्यस्य श्लोकस्य अन्वयं व्याख्यां च लिखत। (द्रष्टव्यः पाठः - १२)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर ४०-६० शब्दों में लिखिए।
- (क) सुदक्षिणा और दिलीप वसिष्ठ के आश्रम किस प्रकार से गए प्रतिपादित करें। (देखें पाठ-७)
- (ख) 'यं ब्रह्माणमियं देवी' इस श्लोक का अन्वय और व्याख्या लिखिए। (देखें पाठ-१२)
- Answer any one of the following questions in about 40-60 words.**
- (a) Explain how Sudakshina and Dilip went to Vasishtha's ashram. (See Lesson-7)
- (b) 'यं ब्रह्माणमियं देवी' - Write the anvaya and explanation of this verse. (See Lesson-12)
4. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। (४×१=४)
- (क) रघुवंशीयनृपाणां गुणवर्णनं स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - ४)
- (ख) अष्टावक्र संवादे गुरुवशिष्ठ प्रदत्त उपदेशान् स्वभाषया प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः - १३)
- किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।
- (क) रघुवंशीय राजाओं का गुणवर्णन अपने शब्दों में करें। (देखें पाठ-४)
- (ख) अष्टावक्र संवाद में गुरु वशिष्ठ द्वारा दिए गए उपदेशों का अपनी भाषा में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-१३)
- Answer any one of the following questions in about 100-150 words.**
- (a) Describe the qualities of Raghuvanshi kings in your own words. (See Lesson-4)
- (b) Describe in your own language the teachings given by Guru Vashishtha in Ashtavakra Samvad. (See Lesson-13)

5. कस्यचिदेकस्य प्रश्नस्य उत्तरं १००-१५० शब्देषु लिखत। (४×१=४)

(क) अलंकारस्य परिचयं विधाय भरत-भामह-दण्डिनश्च संक्षिप्त-योगदानं प्रतिपादयत। (द्रष्टव्यः पाठः - २०)

(ख) आचार्य मम्मटस्य व्यक्तित्वं कृतित्वं च परिभाषयेत। (द्रष्टव्यः पाठः - २१)

किसी एक प्रश्न का उत्तर १००-१५० शब्दों में लिखिए।

(क) अलंकार (काव्यशास्त्र) का परिचय देते हुए भरत, भामह और दण्डी, के विषय में संक्षिप्त रूप से समझाइए।
(देखें पाठ-२०)

(ख) आचार्य मम्मट के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को परिभाषित करें। (देखें पाठ-२१)

Answer any one of the following questions in about 100-150 words.

(A) While giving an introduction to poetics, explain briefly about Bharata, Bhamaha and Dandi. (See Lesson-20)

(B) Define the personality and work of Acharya Mammat. (See Lesson-21)

6. अधोलिखितयोः कमपि विषयमाश्रित्य परियोजनाविवरणं ५०० शब्देषु लिखत। (६×१=६)

(क) अष्टावक्रसंवादानुसारेण रामं प्रति गुरुप्रदत्तानाम् उपदेशानाञ्च महत्त्वं वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - १३)

(ख) उत्तररामचरिते रामस्य सीतायाश्च विशिष्टगुणान् स्वभाषया वर्णयत। (द्रष्टव्यः पाठः - १५)

नीचे दिए गए किसी एक विषय पर परियोजनारूप में विवरण ५०० शब्दों में लिखिए।

(क) अष्टावक्र संवाद के अनुसार गुरुओं द्वारा राम को दिए गए उपदेशों के महत्त्व का वर्णन करें।
(देखें पाठ-१३)

(ख) उत्तररामचरित में राम और सीता के विशिष्ट गुणों का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए। (देखें पाठ-२१)

Prepare any one project out of the following subjects in about 500 words.

(a) According to Ashtavakra dialogue, describe the importance of the teachings given to Ram by the Gurus. (See Lesson-13)

(b) Describe in your own words the special qualities of Ram and Sita in Uttara Ramacharita. (See Lesson-21)